

गदिधों का संरक्षण

हाल के एक अध्ययन के अनुसार, गदिध ज़्यादातर संरक्षित क्षेत्रों (Protected Areas-PAs) के बाहर भोजन (मांस भक्षण) करते हैं और यदि इन स्थानों से ज़हर युक्त शवों जैसे खतरों को हटा दिया जाए, तो गदिधों की आबादी में आने वाली गिरावट को रोका जा सकता है।

रिपोर्ट के नष्कर्ष:

परिचय:

- भोजन करते समय गदिधों ने उच्च पशुधन घनत्व वाले क्षेत्रों से परहेज किया, जो बताता है कि गदिध मुख्य खाद्य स्रोत के रूप में मवेशियों का उपयोग नहीं करते थे और उच्च मानव नविस वाले क्षेत्रों से बचते थे।
- गदिधों का मुख्य भोजन स्रोत मवेशी नहीं होने के संबंध में कथि गए अध्ययन का नष्कर्ष भारत के संदर्भ में सही नहीं था।
 - भारत में गदिधों की आबादी में भारी गिरावट मुख्य रूप से मवेशियों पर पशु चिकित्सा में डाइक्लोफेनाक के उपयोग के कारण होती है, अतः स्पष्ट रूप से गदिध पशुओं के मांस का अधिक सेवन करते हैं।

संरक्षण के लिये सुझाव:

- इनके नविस स्थान को समझने के साथ कुछ आवासों (जैसे कि संरक्षित क्षेत्रों और उसके बाहर) में इनके व्यवहार को समझना भी इनके संरक्षण के लिये महत्वपूर्ण है।
- घोसले और इनके नविस स्थलों के पास खतरों की पहचान करना तथा उन्हें दूर करने के साथ इनमें भोजन एवं पानी उपलब्ध कराना आवश्यक है।

भारत में गदिधों की प्रजातियाँ:

परिचय:

- यह मरा हुआ जानवर खाने वाले पक्षियों की 22 प्रजातियों में से एक है जो मुख्य रूप से उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में रहते हैं।
- ये प्रकृति के कचरा संग्रहकर्ता के रूप में एक महत्वपूर्ण कार्य करते हैं और पर्यावरण से कचरा हटाकर उसे साफ रखने में मदद करते हैं।
 - गदिध वन्यजीवों की बीमारियों को नियंत्रण में रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
- भारत गदिधों की 9 प्रजातियों यथा- ओरिएंटल व्हाइट बैकड (Oriental White Backed), लॉन्ग बिल्ड (Long Billed), स्लेंडर-बिल्ड (Slender Billed), हिमालयन (Himalayan), रेड हेडेड (Red Headed), मसिर देशीय (Egyptian), बयिरडेड (Bearded), सनिरयिस (Cinereous) और यूरेशियन ग्रिफॉन (Eurasian Griffon) का घर है।
 - इन 9 प्रजातियों में से अधिकांश के विलुप्त होने का खतरा है।
 - बयिरडेड, लॉन्ग बिल्ड और ओरिएंटल व्हाइट बैकड [वन्यजीव संरक्षण अधिनियम](#) (Wildlife Protection Act), 1972 की अनुसूची-1 में संरक्षित हैं। बाकी 'अनुसूची IV' के अंतर्गत संरक्षित हैं।

IUCN स्थिति:

Sr. No.	Name of the Vulture Species	IUCN status	Pictorial Representation
1.	Oriental White-backed Vulture (Gyps Bengalensis)	Critically Endangered	
2.	Slender-billed Vulture (Gyps Tenuirostris)	Critically Endangered	
3.	Long-billed Vulture (Gyps Indicus)	Critically Endangered	
4.	Egyptian Vulture (Neophron Percnopterus)	Endangered	
5.	Red-Headed Vulture (Sarcogyps Calvus)	Critically Endangered	
6.	Indian Griffon Vulture (Gyps Fulvus)	Least Concerned	
7.	Himalayan Griffon (Gyps Himalayensis)	Near Threatened	
8.	Cinereous Vulture (Aegypius Monachus)	Near Threatened	
9.	Bearded Vulture or Lammergeier (Gypaetus Barbatus)	Near Threatened	



■ **खतरे:**

- डाइक्लोफेनाक (Diclofenac) जैसे वषिकृत जो पशुओं के लिये दवा के रूप में प्रयोग किया जाता है ।
- मानवजनित गतिविधियों के कारण प्राकृतिक आवासों का नुकसान ।
- भोजन की कमी और दूषित भोजन ।
- बजिली लाइनों से करंट ।

■ **संरक्षण के प्रयास:**

- हाल ही में पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री ने देश में गदिधों के संरक्षण के लिये एक 'गदिध कार्ययोजना 2020 -25' (Vulture Action Plan 2020-25) शुरू की ।
 - यह डिक्लोफेनाक का न्यूनतम उपयोग सुनिश्चित करेगी और गदिधों हेतु मवेशियों के शवों के प्रमुख भोजन की वषिकृतता को रोकेगी ।
- भारत में गदिधों की मौत के कारणों पर अध्ययन करने के लिये वर्ष 2001 में हरियाणा के पजौर में एकादिध देखभाल केंद्र (Vulture

Care Centre-VCC) स्थापति कयिा गया ।

- कुछ समय बाद वर्ष 2004 में गदिध देखभाल केंद्र को उन्नत (Upgrade) करते हुए भारत के पहले गदिध संरक्षण एवं प्रजनन केंद्र (VCBC) की स्थापना की गई ।
 - वर्तमान में भारत में नौ गदिध संरक्षण एवं प्रजनन केंद्र हैं, जनिमें से तीन बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसायटी (Bombay Natural History Society-BNHS) द्वारा प्रत्यक्ष रूप से प्रशासति कयिा जा रहे हैं ।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा वगित वर्ष के प्रश्न

प्रश्न: गदिध जो कुछ साल पहले भारतीय ग्रामीण इलाकों में बहुत आम हुआ करते थे, आजकल कम ही देखे जाते हैं। इसके लयि ज़रिमेदार है (2012)

- (a) नई आकरामक प्रजातयिों द्वारा उनके घोंसले का वनिाश
- (b) पशु मालकिों द्वारा अपने रोगग्रस्त मवेशयिों के इलाज हेतु इस्तेमाल की जाने वाली दवा
- (c) उपलब्ध भोजन की कमी
- (d) व्यापक और घातक बीमारी ।

उत्तर: (b)

स्रोत: डाउन टू अर्थ

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/conserving-vultures>

